## दत्तप्रिय रागः – नादाभिषेकः

## सगम पनिस - सनिदपमगसा

- पल्लवी चतुरस्र (संस्कृतम्) ಚತುರಸ್ರ

  आनन्दा – चिदानन्दा – सच्चिदानन्दा

  अवधूत दत्तपीठाधिप श्री गणपति सच्चिदानन्दा ....

- अनुपल्लवि – चतुरस्र/ तिस्र (तमिळ)- ತಿಸ್ರ

- अनुपल्लवि - तिस्र (कन्नड)- ತಿಸ್ರ

  ब्रह्मप्रिय विष्णुप्रिय - रुद्रप्रिय दत्तप्रिय  वेदप्रिय यज्ञप्रिय नादप्रिय सर्वप्रिय ...

  नोड बयसि नॆनॆसिदॆरॆ, कृपॆय तोरुवे  दरुशन - शरणव कॊडिसलु, बेड तडॆगळु

- चरणम् 1 - खण्ड (तॆलुगु)

  सुलभमुगने  दॊरकदु कदा  सुकृतभरमिदिगा गुरुरूपमु

  ऎंतो महोन्नतं गुरुकीर्ति शिखरं –म  रॆंतो गभीरं - गुरुकरुणसंद्रं

  ऎत्तुलन्नीपन्नि, पै ऎत्तुलनु वेसि  ऎत्तुलॆक्कालंटॆ- सद्गुरुवे शरणु

  इललो गुरुवे मनकु सच्चिदानंदा  गणपति सच्चिदानंदा

- चरणम् 2 - खण्ड (हिन्दी)

  सद्गुरु मुझे दॅं  कामनापूर्ति  जैसे मुझे हो  कर्तव्य भर्ती (पूर्ति)

  वह भी मिलाये  जिन्दगी पूर्ति  तत्त्वार्थ चिन्ता स-दानन्द मूर्ति

चरणम् 3 - मिश्र (संस्कृतम्) ಚತುರಸ್ರ

1. उद्धर्तुकाम- नाया.मुदीर्ण-बोधना सच्चिदानन्दा  गणपति .. सच्चिदानन्दा
2. सर्वंसहोऽसि– शातातपा म-होदार सच्चिदानन्द  गणपति .. सच्चिदानन्दा

3. मनसि रहसि तपसि शिरसि ते – नामाऽस्तु सच्चिदानन्द – गणपति .. सच्चिदानन्द

4. तुदसि मनसि-जगण-रयभरं - करुणया सच्चिदानन्द – गणपति .. सच्चिदानन्द

5. लससि मनसि- सदय .. प्रवि- मलिन रहित धिषणा .. तनु नादाभिषेकं

6. रुचिर गीत सुभगं - कल –ललित भाव सुधियं .. मम नादाभिषेकं